



2016/00021

# फर्द अहकाम

न्यायालय

आपका आवेदन संख्या

30/01/2021 बनाम नारायण दास

युक्तिका संख्या / वर्ष

337 / 2016

क्र. नं.	दिनांक आदि या कार्यवाही	आका विवरण का से	विशेष विवरण
		<p>उपरोक्त निर्णय में कि जहाँ जहाँ (विशेषकर) अहकाम  संबंधित है। (विशेषकर) की कार्यवाही  की है जहाँ जहाँ अहकाम वादी की कार्यवाही  से प्रतिवादी की कार्यवाही लगी है। उसे  वादी छोड़ने हेतु पावन्द होगा और यदि  प्रतिवादी की कार्यवाही वादी की कार्यवाही लगी  है तो उसे प्रतिवादी छोड़ने हेतु पावन्द होगा  मगर जब तक वादग्रस्त अहकाम का सीमांकन  नहीं हो जाता है तब तक अहकाम वादग्रस्त  आका की के बीच की अहकाम (विशेषकर) पर करार  करके हेतु पावन्द होगा। अहकाम लगे के  परमाणु वादी एवं प्रतिवादीगत अपनी-अपनी  सीमा के पावन्द रहेगी। (इस पर्याय) जारी है।  उक्तानुसार निर्णय की पालना हेतु महसूलदार  करसी को जारी जारी है। महसूलदार करसी  अहकाम आदेश की पालना 15 दिनों के करवाना  संबंधित करे। पालना होसल अहकाम हेतु  विशेषकर के अहकाम लगे पर वास्तविक रूप से ही  (विशेषकर) आज दिनांक 30/11/2021 का अहकाम  अहकाम के अहकाम अहकाम 2021 के महसूल के अहकाम  अहकाम अहकाम अहकाम अहकाम अहकाम अहकाम</p>	

*(Signature)*

आपका आवेदन संख्या

डिक्री मुकदमा इक्ट्वाई  
 (ओ. 20 रूल्स व 7 जाब्ता दीवानी)  
 अज अदालत सहायक कलक्टर, मुकाम बरसी, जिला जयपुर बड़जलारा  
 पीठासीन अधिकारी-शिवचरण शर्मा आर0ए0एस  
 प्रशासन गावों के संग अभियान 2021

वादी

प्रतिवादीगण

- 1 आनंदीलाल पुत्र मोरमा, पति 1 चारामण दास चैला गणेश दास पति  
 चैला, निवासी ग्राम हरिरामपुरा 2 लखन, निवासी गणेशदास जी की कर्मची  
 गहसील वरसी जिला जयपुर अखैपुरा, गहसील वरसी, जिला जयपुर राज.  
 राजस्थान। 2 गहसीलदार महेदय, गहसील वरसी  
 2 भारवलाल पुत्र गोमा, पति (जिला जयपुर राजस्थान।  
 चैला निवासी ग्राम हरिरामपुरा  
 गहसील वरसी जिला जयपुर।

दावा

अन्तर्धार दावा 188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

मुकदमा नं० 337/2016

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिराल कई रूबरु हमारे ..... वादी व

प्रतिवादीगण गिनजागिन मुददई रूबरु हमारे गिनजागिन मुददायलह पेश होकर हुक्म दिया जाता है कि वापस

ग्राम खसरा नं- 75, 77, 81, 80 ग्राम हरिरामपुरा गहसील वरसी जिला जयपुर  
 का सीमाज्ञान की ओरवाकर व चार पयारीमान की सञ्केत हिम गठित कर उभयपक्षों  
 की मोफुदगी में किमअनुसार किमापना स्थितिपित कर। सीमाज्ञान की कार्यवाही  
 किसे पक्षवात अगर वादी की ग्राम में प्रतिवादीगण की ग्राम निकलती है तो उसे वादी  
 होने हेतु पाकर देगा और यदि प्रतिवादीगण की ग्राम में वादी की ग्राम निकलती है तो  
 उसे प्रतिवादीगण होने हेतु पाकर देगा। मात्र पक्षाक वापसाल ग्राम का सीमाज्ञान  
 नहीं हो जाता है मवाफ उभयपक्षों की प्रशासिक विनाल सर्वे हेतु पाकर देगा।  
 सीमाज्ञान होने पक्षवात वादी एवं प्रतिवादीगण अपनी-2 सीमा में पाकर रहेगा।

गिजे मुकदमा वाकत खर्चा इस मुकदमे का मय सूद वगैरह ..... फौरदी सालना ..... को अदा करे।

यदि वादी व मुहर अदालत के आज तारीख 30/11/2021 को जारी किया गया।



दस्तखत.....

ओहदा.....

रुपये	परा	मुददायलह
		रुपय अजी दावा
		रुपय वकालतनामा
		रुपय वही गेदा
		गहनामा कमील
		रुपय मवाहन
		पौरा कमिश्नर
		वक्त इजराय हुम्नामा
		मुकदमिक
		गीजान

यदि उभयपक्षों के काम पर कूल खर्चा पर दो फरौकेन का कहे डिमरी के जरिए दिखाया हो वा नहीं दर्ज  
 किया गया।

(शिवचरण शर्मा)  
 सहायक कलक्टर बरसी  
 सहायक कलक्टर बरसी जिला जयपुर